वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 36 बुधवार 8 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कोटा जिले में शहरी सेवा शिविरों का किया निरीक्षण, लाभार्थियों को वितरित किए पट्टे एवं स्वीकृति पत्र

शहरी सेवा शिविरों से आमजन को त्वरित राहत, पारदर्शिता के साथ मिल रहा सरल समाधान : खर्रा

मंत्री ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से भी बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्यूनतम समय में अधिकतम राहत उपलब्ध कराई जाए।

प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा

कोटा विकास प्राधिकरण के आयुक्त बचनेश अग्रवाल ने मंत्री खर्रा को जानकारी देते हुए बताया कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रतिदिन शाम 3 से 4 बजे तक समिति स्तर पर सभी लंबित आवेदनों की समीक्षा की जाती है तथा जिन प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं एवं राशि जमा हो चुकी होती है, उनका निस्तारण तत्काल किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक काउंटर पर आवश्यक सूचना एवं प्रचार-प्रसार सामग्री उपलब्ध कराई गई है, जिससे आमजन को आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने मंत्री झाबर सिंह खर्रा को शहरी सेवा शिविरों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम परिसर में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु संतुलन का संदेश दिया।

जयपुर. का.सं.। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को कोटा विकास प्राधिकरण तथा नगर निगम द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शिविरों में स्थापित विभिन्न विभागीय काउंटरों का अवलोकन किया तथा प्रत्येक काउंटर पर जाकर अधिकारियों एवं कार्मिकों से संवाद करते हुए प्राप्त आवेदनों, उनके निस्तारण एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। मंत्री ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से भी बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्यूनतम समय में अधिकतम राहत उपलब्ध कराई जाए। झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के संकल्प तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य गरीब, मध्यमवर्गीय एवं जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है ताकि नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनके कार्य शिविर स्थल पर ही शीघ्र पूर्ण हो सकें। उन्होंने कहा कि शिविरों में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक प्रकरण का संवेदनशीलता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा जहां प्रक्रियाओं के सरलीकरण की आवश्यकता हो, वहां नियमानुसार आवश्यक कार्यवाई सुनिश्चित की जाए।

ऑनलाइन डेटा एंट्री की जा रही

शहरी सेवा शिविरों में सभी आवेदनों की ऑनलाइन डेटा एंट्री की जा रही है तथा उनका व्यवस्थित वर्गीकरण किया जा रहा है। इससे प्रत्येक आवेदन की सतत मॉनिटरिंग संभव हुई है, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है, अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित हुई है तथा प्रकरणों के निस्तारण में गति और सरलता आई है। यदि किसी आवेदन का निस्तारण नियमों के अंतर्गत संभव नहीं है तो उसकी स्पष्ट जानकारी भी आवेदक को उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पारदर्शी एवं उत्तरदायी प्रशासन की भावना मजबूत हुई है।

राजस्थान में मानसून मेहरबान

सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

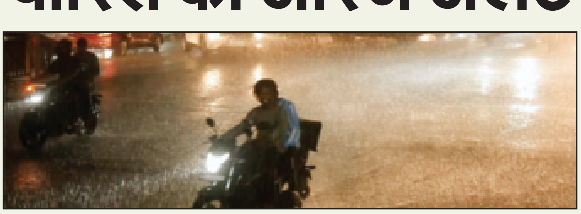

9 जुलाई तक प्रदेश में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और राज्य के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि जैसलमेर को छोड़कर शेष सभी जिलों में यलो अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन सिस्टम और सक्रिय मानसून ट्रफ के प्रभाव से नौ जुलाई तक प्रदेश में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना है। बीते दिन जोधपुर, पाली, जालोर और बाड़मेर में कई स्थानों पर तीन इंच तक बारिश हुई। जोधपुर के डांगियावास क्षेत्र में तेज बारिश के बाद हाईवे पर पानी भर गया, जबकि जालोर के भाद्राजून क्षेत्र में पहाड़ियों से झरने बहने लगे। पाली जिले के देसूरी में 82 मिमी, मारवाड़ जंक्शन में 25 मिमी, रोहट में 28 मिमी और रानी में 25 मिमी बारिश हुई। वहीं जोधपुर के झंवर में 53 मिमी, लूणी में 44 मिमी, कुड़ी भगतासनी में 23 मिमी और शेखला में 18 मिमी वर्षा हुई। सीकर, झुंझुनूं, प्रतापगढ़ और राजसमंद में भी दो इंच तक बारिश हुई, जबकि दौसा, सिरोही, बांसवाड़ा, उदयपुर, अलवर सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मृत्यु हार गई... साधना जीत गई

श्रीश ललितपुर की विशेष कलम से

इतिहास में असंख्य लोग जन्म लेते हैं, अनेक लोग प्रसिद्ध भी हो जाते हैं, लेकिन काल के मस्तक पर अपना नाम वही अंकित कर पाता है, जिसकी साधना स्वयं समय को भी नमन करने के लिए विवश कर दे। आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ने अपने जीवन की अंतिम साधना से यह सिद्ध कर दिया कि तप यदि निष्कलंक हो, त्याग यदि निर्मल हो और समता यदि पूर्ण हो, तो मृत्यु भी पराजय का दूसरा नाम बन जाती है। आज केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि असंख्य श्रद्धालुओं के हृदय में जिनकी वंदना गूंज रही है, उनके बारे में उत्तर भारत का एक बड़ा वर्ग कुछ समय पहले तक बहुत कम जानता था। मैं स्वयं भी उन्हीं लोगों में था। पहली बार जब यह समाचार मिला कि सांगली में आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज अपने करकमलों से मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं, तभी मेरे मन में जिज्ञासा जगी कि यह कौन-सा महापुरुष है, जो स्वयं सर्वोच्च पद पर विराजमान होते हुए भी उसे सहज मुस्कान के साथ अपने शिष्य को समर्पित कर रहा है। इसके बाद जो दृश्य संसार ने देखा, वह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं था; वह विनय की पराकाष्ठा, त्याग का शिखर और गुरु-परंपरा का सजीव शास्त्र था। ऊँचे सिंहासन पर नवप्रतिष्ठित आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज विराजमान थे और उनके समक्ष आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज पूर्ण विनय के साथ आचार्य संस्कार सम्पन्न करा रहे थे। शास्त्रों में वर्णित गुरु-परंपरा उस दिन साक्षात सजीव होती दिखाई दी। उसी क्षण यह स्पष्ट हो गया कि यह साधु केवल पद से नहीं, बल्कि अपने त्याग, विनम्रता और आत्ममहिमा से महान है। उस एक दृश्य ने उन्हें जन-जन के हृदय में स्थापित कर दिया। समय आगे बढ़ा। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज अपने संघ सहित कुण्ठलगिरि पहुँचे। वहीं आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज को ज्ञात हुआ कि इसी पावन भूमि पर आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने समता सहित समाधि धारण की थी। तब उनके अंतर्मन में भी वही दिव्य संकल्प जागृत हुआ कि जीवन का अंतिम अध्याय भी उसी पुण्यभूमि पर लिखा जाए, जहाँ समता

का स्वर्णिम इतिहास पहले से अंकित है। इसके बाद जो हुआ, वह साधना का ऐसा अध्याय है, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ श्रद्धा और विस्मय के साथ स्मरण करेंगी। शरीर के प्रति ममत्व क्षीण होता गया। पहले अन्न का त्याग, फिर जल का त्याग। प्रत्येक दिन देह दुर्बल होती गई, लेकिन आत्मबल और अधिक प्रखर होता गया। तेरह दिनों तक यम-सल्लेखना की प्रत्येक मयार्दा का अक्षरशः पालन करते हुए उन्होंने समता, सजगता और आत्मजागरण का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया कि दर्शन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति भीतर तक स्पंदित हो उठा। अंततः रात्रि 11:34 बजे वह क्षण आया, जब शरीर यहीं रह गया और साधक अपनी साधना की विजयगाथा लिखते हुए अनंत यात्रा पर अग्रसर हो गया। यह केवल एक समाधि नहीं थी, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए यह उद्घोष था कि साधना आज भी जीवित है, शास्त्र आज भी जीवित हैं और समता आज भी संभव है। एक तथ्य विशेष रूप से स्मरणीय है। आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की समाधि के कारण कुण्ठलगिरि पहले से ही परम पावन तीर्थ था, किंतु आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज की उत्कृष्ट सल्लेखना साधना ने इस क्षेत्र को नई चेतना, नई आध्यात्मिक ऊर्जा और नई पहचान प्रदान की। इसका महत्वपूर्ण श्रेय आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के अद्भुत निर्यापकत्व को भी जाता है। उन्होंने साधक की साधना और हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं के बीच ऐसा संतुलन स्थापित किया कि दर्शन की व्यवस्था भी बनी रही, साधना की मयार्दा भी अक्षुण्ण रही और भावों की पवित्रता भी सुरक्षित रही। यह केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं थी, बल्कि करुणा, विवेक और आध्यात्मिक नेतृत्व का अनुपम उदाहरण था। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाला समय कुण्ठलगिरि के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा। जहाँ किसी महापुरुष की अंतिम साधना सम्पन्न होती है, वहाँ केवल स्मारक नहीं बनते, वहाँ चेतना बस जाती है। वहाँ केवल पत्थर नहीं रहते, वहाँ तप की तरंगें प्रवाहित होती हैं। वहाँ केवल वायु नहीं बहती, वहाँ साधना की दिव्य अनुभूतियाँ स्पंदित होती हैं। जो भी श्रद्धा के साथ उस भूमि पर पहुँचेगा, उसका मन स्वतः ही अधिक शांत, अधिक निर्मल और अधिक अंतर्मुखी हो जाएगा। मैं बार-बार आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ। वीर प्रभु से मेरी यही प्रार्थना है–हे प्रभु! मेरे जीवन में साधना चाहे जितनी छोटी हो, उपलब्धियाँ चाहे जितनी सीमित हों, किंतु अंतिम समय में ऐसी ही निर्मलता, ऐसी ही सजगता और ऐसी ही समता प्रदान करना। यदि महान साधक बनना मेरे भाग्य में न भी हो, तो कम से कम अंत ऐसा हो कि मृत्यु भय का नहीं, बल्कि समाधि का उत्सव बन जाए। आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ने हमें केवल जीना ही नहीं सिखाया, बल्कि यह भी सिखाया कि मृत्यु को भी साधना का महापर्व कैसे बनाया जाता है। वास्तव में जो मृत्यु को साध लेता है, वही जीवन का वास्तविक विजेता कहलाता है। कोटि-कोटि नमन बारंबार नमनङ्घ अनंत नमन उस कालजयी साधक को, जिसने मृत्यु को महोत्सव और समाधि को अमर इतिहास बना दिया।

सोहनी फुलकारी पंजाबी वुमेंस सोसाइटी ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कोटा. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य देने के उद्देश्य से सोहनी फुलकारी पंजाबी वुमेंस सोसाइटी की ओर से अटवाल नगर स्थित गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी शहीद परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ईश्वर की असीम कृपा से संपन्न इस सेवा अभियान के तहत गुरुद्वारा परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में 25 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान सोसाइटी की पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि आज लगाए गए ये पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वायु, ठंडी छाया और फल प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। सोसाइटी ने पौधारोपण के साथ-साथ भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों की सेवा का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पेड़ों पर पानी के कुज्जे (परिंडे) लगाए गए, ताकि पक्षियों को गर्मी के मौसम में पेयजल उपलब्ध हो सके। उपस्थित सदस्यों ने इसे प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में सोहनी फुलकारी पंजाबी वुमेंस सोसाइटी की संरक्षक

किरण मलिक, अध्यक्ष डेजी नरूला, सचिव कविता गंभीर, कोषाध्यक्ष रानी गौहरी, सह-कोषाध्यक्ष बेबी साहनी, मीडिया प्रभारी रचना चावला, कार्यकारिणी सदस्य रेखा पिपलानी, सिम्मी आनंद, सरिता भूटानी, जसविंदर कौर तथा टीम सदस्य सरबजीत कौर, श्वेता नागपाल और प्रभजोत कौर सहित सोसाइटी की पूरी टीम ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए पौधारोपण अभियान में भाग लिया। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की ओर से ज्ञानी जोरावर सिंह एवं प्रभजोत सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सोसाइटी की ओर से दोनों अतिथियों का सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सोसाइटी की अध्यक्ष डेजी नरूला ने सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं गुरुद्वारा प्रबंधन समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

अखिल भारतवर्षीय जैसवाल जैन महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

मेधावी छात्र-छात्राओं एवं व्यापारियों का हुआ सम्मान

आगरा. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय जैसवाल जैन महासभा के तत्वावधान में रविवार को एम.डी. जैन इंटर कॉलेज, हरीपर्वत में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से महासभा के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, समाज के वरिष्ठजन, व्यापारी, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण, भगवान महावीर के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में संगठन के विस्तार, सामाजिक एकता, शिक्षा के प्रसार, युवा सहभागिता, रोजगार सृजन तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने महासभा को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा, व्यापार एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाज के प्रतिष्ठित व्यापारियों तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देता है और युवा पीढ़ी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर समाज की आर्थिक रूप से कमजोर एवं विधवा महिलाओं को सहयोग उपलब्ध कराने, युवाओं को महासभा से जोड़कर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा जैन समाज की राजनीति में प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, संगठन की सक्रियता तथा सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सामाजिक, शैक्षिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार जैन, मंत्री अनंत कुमार जैन, अजय कुमार जैन, संजय जैन, सचिन जैन, संभव जैन, पदम जैन, संजीव जैन, इंद्रप्रकाश जैन, प्रवीन जैन, सुरेंद्र जैन, सुबोध जैन (दयालबाग), सुबोध जैन (कमला नगर), रश्मि जैन, नीलम जैन, प्राची जैन सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

उपाध्याय पदारोहण और जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव से गूंजा पार्श्वधाम, छीपीटोला बना आस्था का केंद्र

आगरा. शाबाश इंडिया

पार्श्वधाम दिगम्बर जैन मंदिर, छीपीटोला सोमवार को उस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब धर्म, श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में वैज्ञानिक संत आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज एवं समस्त मुनिसंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित उपाध्याय पदारोहण दिवस एवं भव्य जैनेश्वरी मुनि दीक्षा महोत्सव ने धार्मिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। महोत्सव के दौरान निर्यापक मुनिश्री शिवदत्तसागर जी महाराज को उपाध्याय पद से अलंकृत किया गया। वहीं राजस्थान के कोटा निवासी ब्रह्मचारी मोहनलाल भैया ने सांसारिक जीवन का त्याग कर मुनि दीक्षा ग्रहण की। आचार्यश्री ने उन्हें मुनिश्री वासुदत्तसागर जी महाराज नाम प्रदान किया। एक ही मंच पर संपन्न हुए इन दोनों ऐतिहासिक आयोजनों ने छीपीटोला को देशभर के जैन समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र बना दिया। प्रातःकाल जैन भवन से पार्श्वधाम मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों, धार्मिक ध्वजों, भक्ति गीतों और जयघोषों के बीच हजारों श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर आचार्यश्री ससंघ का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से पूरा छीपीटोला धर्ममय वातावरण में सराबोर नजर आया। पार्श्वधाम परिसर में महोत्सव का ध्वजारोहण मनीष जैन, अनीष जैन एवं दीपक जैन (बोतल वाले) परिवार द्वारा किया गया। पंडाल का उद्घाटन हीरालाल बैनाड़ा एवं निर्मल मोठया परिवार ने किया, जबकि दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण राहुल जैन और रवि जैन ने संपन्न कराया। छीपीटोला की बालिकाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया तथा सौभाग्यवती महिलाओं ने चौक पूरण की पारंपरिक रस्म निभाई। महोत्सव के दौरान फिरोजाबाद, अलीगढ़ एवं आगरा की जैन समाज की ओर से वर्ष 2026 के चातुर्मास एवं मंगल प्रवास के लिए आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज के समक्ष श्रीफल भेंट कर विनय निवेदन किया गया तथा उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके पश्चात आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ने वैदिक एवं जैन परंपरा के मंत्रोच्चार के मध्य निर्यापक मुनिश्री शिवदत्तसागर जी महाराज के मस्तक पर स्वस्तिक अंकित कर उन्हें उपाध्याय पद के संस्कारों से विभूषित किया। उपाध्याय पद की घोषणा होते ही पूरा पंडाल ''जय-जय उपाध्यायश्री'' के उद्घोष से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने खड़े होकर भावभीनी वंदना की। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब ब्रह्मचारी मोहनलाल भैया ने मुनि दीक्षा ग्रहण की। आचार्यश्री ने अपने करकमलों से केशलोंच कर उन्हें दिगम्बर मुनि दीक्षा प्रदान की और मुनिश्री वासुदत्तसागर जी महाराज नाम से विभूषित किया। दीक्षा के उपरांत परिजनों ने नवीन कमंडल एवं पिच्छी भेंट कर भावभीनी विदाई दी। इस दृश्य ने उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं। अपने मंगल प्रवचनों में आचार्यश्री ने धर्म, संयम, संस्कार और आत्मकल्याण का संदेश देते हुए समाज से सदाचार, सेवा और आध्यात्मिक जीवन अपनाने का आह्वान किया। आगरा, फिरोजाबाद, टूंडला, शिकोहाबाद, इटावा, बरहन, जलेसर, कोटा, दिल्ली, सागर, अशोकनगर सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति से पूरा पार्श्वधाम परिसर खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर समिति, महोत्सव समिति, एनसीसी क्लब छीपीटोला तथा युवा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महोत्सव का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। अंत में आयोजकों ने सभी संतों, अतिथियों, श्रद्धालुओं, समाजबंधुओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपाध्याय पदारोहण एवं जैनेश्वरी मुनि दीक्षा महोत्सव धर्म, त्याग, तप, संस्कार और सामाजिक एकता का अविस्मरणीय पर्व बन गया। इस अवसर पर प्रदीप जैन (पीएनसी), जगदीश प्रसाद जैन, राकेश जैन, अनंत जैन, जितेंद्र जैन, अशोक जैन, राजेश जैन, नीरज जैन, अमित जैन, मनोज जैन बल्लो, मुरारीलाल जैन, अनिल जैन फौजी, प्रवीन जैन नेता, भुवनेश जैन, दीपक जैन, मोनू जैन, आयुष जैन, बिट्टू जैन, सत्येंद्र जैन, सचिन जैन, संजीव जैन, अतिशय जैन, हेमंत जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन सहित एनसीसी क्लब छीपीटोला के सदस्य एवं बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

राजनीति

क्षमा : सबसे बड़ी शक्ति

''क्षमा वीरस्य भूषणम्।'' अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। यह केवल एक संस्कृत सूक्ति नहीं, बल्कि मानव जीवन का शाश्वत सत्य है। जो व्यक्ति अपमान, कटुता और अन्याय का सामना करने के बाद भी धैर्य, विवेक और करुणा के साथ क्षमा कर सकता है, वही वास्तविक अर्थों में महान कहलाता है। क्षमा दुर्बलता का नहीं, बल्कि आत्मबल, आत्मसंयम और परिपक्वता का प्रतीक है। प्रतिवर्ष 7 जुलाई को वैश्विक क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को द्वेष, प्रतिशोध और कटुता से ऊपर उठकर प्रेम, सहिष्णुता, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि क्षमा केवल दूसरे व्यक्ति को ही मुक्त नहीं करती, बल्कि स्वयं को भी मानसिक तनाव, क्रोध, पीड़ा और नकारात्मक भावनाओं से आजाद करती है। यही कारण है कि क्षमा को आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द का आधार माना गया है। आज का समाज तेजी से बदल रहा है। तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवीय संबंधों में दूरी बढ़ती जा रही है। संवाद कम हो रहा है, जबकि अहंकार, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ का प्रभाव बढ़ रहा है। छोटी-छोटी गलतफहमियों के कारण रिश्ते टूट जाते हैं, परिवार बिखर जाते हैं और वर्षों पुरानी मित्रता समाप्त हो जाती है। ऐसे समय में क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ जाता है। क्षमा वह सेतु है, जो टूटे हुए संबंधों को जोड़ सकती है, बिखरे परिवारों में अपनापन लौटा सकती है और समाज में विश्वास की नई नींव रख सकती है। भारतीय संस्कृति में क्षमा को सदैव सर्वोच्च स्थान प्राप्त रहा है। भगवान श्रीराम ने माता कैकेयी के प्रति कभी वैर भाव नहीं रखा। भगवान श्रीकृष्ण ने भी अनेक अवसरों पर करुणा, धैर्य और क्षमा का संदेश दिया। भगवान बुद्ध ने कहा कि क्रोध को प्रेम से, बुराई को भलाई से और घृणा को क्षमा से जीता जा सकता है। जैन धर्म में तो क्षमावाणी का विशेष महत्व है, जहां प्रत्येक व्यक्ति ''मिच्छामि दुक्कडम्'' कहकर एक-दूसरे से अपनी भूलों के लिए क्षमा मांगता है। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और सामाजिक सद्भाव का संदेश देती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि ''कमजोर कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली का गुण है।'' वास्तव में प्रतिशोध लेना सरल होता है, जबकि क्षमा करने के लिए विशाल हृदय, आत्मसंयम और नैतिक साहस की आवश्यकता होती है।

संपादकीय

ग्रामीण भारत की नई विकास गाथा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा जुलाई 2021 में गठित सहकारिता मंत्रालय ने इस वर्ष अपने गठन के 5 वर्ष पूरे कर लिए हैं। ''सहकार से समृद्धि'' के संकल्प के साथ स्थापित यह मंत्रालय ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि और छोटे उद्यमियों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है। बीते पांच वर्षों में मंत्रालय ने नीतिगत ढांचा तैयार करने से लेकर जमीनी स्तर पर सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने तक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। आजादी के बाद सहकारिता राज्य का विषय रही, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय और एकीकृत नीति का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा था। देश के 95 प्रतिशत से अधिक गांवों में किसी न किसी रूप में सहकारी समितियां कार्यरत हैं, फिर भी उनका आधुनिकीकरण अपेक्षित गति से नहीं हो पाया। इसी आवश्यकता को देखते हुए अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य सहकारी आंदोलन को डिजिटल, पारदर्शी, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था, ताकि किसान से लेकर उपभोक्ता तक सभी को इसका लाभ मिल सके। पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों पर नजर डालें तो पहली बार देश की 8.5 लाख से अधिक सहकारी समितियों का एकीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया गया। इससे नीति निर्माण में पारदर्शिता बढ़ी और फर्जी समितियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर उन्हें जन औषधि केंद्र, पेट्रोल पंप, गोदाम, कॉमन सर्विस सेंटर तथा उर्वरक वितरण जैसी गतिविधियों से जोड़ा गया। इससे उनकी आय बढ़ी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए। इसी अवधि में 2002 की पुरानी नीति के स्थान पर नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का प्रारूप तैयार किया गया। इसमें सहकारी संस्थाओं को पेशेवर प्रबंधन, आधुनिक तकनीक और पूंजी तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड तथा राष्ट्रीय सहकारी जैव बीज संगठन जैसी नई संस्थाओं के गठन से छोटे किसानों के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर मिला और गुणवत्तापूर्ण बीज अपेक्षाकृत सुलभ दरों पर उपलब्ध होने लगे। पैक्स के कंप्यूटरीकरण तथा ई-समिति पोर्टल के माध्यम से कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनी है। अब सदस्य घर बैठे ऋण, उर्वरक, भुगतान और अन्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सहकारिता मंत्रालय का सबसे सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। दुग्ध सहकारी मॉडल की तर्ज पर अब मत्स्य पालन, तिलहन उत्पादन और जैविक खेती के लिए भी सहकारी ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों को सहकारी स्वरूप देने से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि हुई है। राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बहुउद्देशीय पैक्स मॉडल ने यह साबित किया है कि एक ही संस्था गांव की अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बदलते समीकरणों के बीच निर्णायक मुकाबला

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संगठन विस्तार, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति को धार देने में जुटे हैं। जनसभाओं, बैठकों और राजनीतिक संदेशों का दौर शुरू हो चुका है। भारतीय जनता पार्टी जहां अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में लगी है, वहीं समाजवादी पार्टी सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करने का प्रयास कर रही है। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस भी अपनी राजनीतिक उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय हैं। स्पष्ट है कि 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बरकरार रखने का नहीं, बल्कि प्रदेश की भावी राजनीतिक दिशा तय करने वाला चुनाव होगा। हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ दौरे ने संकेत दिया कि पार्टी ने विधानसभा चुनाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस दौरान संगठन, बूथ प्रबंधन, गठबंधन और संभावित उम्मीदवारों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। भाजपा का मानना है कि मजबूत संगठन, प्रभावी बूथ प्रबंधन और सहयोगी दलों के साथ बेहतर तालमेल उसकी सबसे बड़ी ताकत है। भाजपा चुनाव में विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बने एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश, बुनियादी ढांचे के विस्तार, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को पार्टी अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करेगी। पार्टी का दावा है कि प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण और निवेश के बेहतर माहौल ने विकास को नई गति दी है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी का प्रयास है कि जनता के बीच यह संदेश पहुंचे कि वर्तमान सरकार अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी है। समाजवादी पार्टी अपने परंपरागत सामाजिक आधार को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं और नए मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति पर भी काम कर रही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप हमेशा चुनावी माहौल का हिस्सा रहे हैं। भाजपा विपक्ष पर जातीय राजनीति और विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाती है, जबकि विपक्ष सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग जैसे मुद्दों पर सवाल उठाता है। चुनाव नजदीक आने के साथ यह राजनीतिक टकराव और तेज होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश का चुनाव राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। देश के सबसे बड़े राज्य का जनादेश केंद्र की राजनीति पर गहरा प्रभाव डालता है। यही कारण है कि सभी प्रमुख राष्ट्रीय दल यहां पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरते हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दलों की भूमिका भी कई क्षेत्रों में निर्णायक हो सकती है। वहीं विपक्ष भी संभावित गठबंधनों के विकल्प तलाश रहा है। अब प्रदेश की राजनीति केवल जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं रह गई है। विकास, रोजगार, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, डिजिटल सेवाएं, निवेश और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दे मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर रहे हैं। युवा मतदाताओं की बढ़ती संख्या और सोशल मीडिया आधारित चुनाव प्रचार ने चुनावी रणनीतियों को भी बदल दिया है। राजनीतिक दल पारंपरिक जनसभाओं के साथ डिजिटल माध्यमों का भी व्यापक उपयोग कर रहे हैं। उम्मीदवारों का चयन भी इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

संसार रूपी चक्रव्यूह से मुक्ति का मार्ग है कषायों का निग्रह : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। तीर्थंकरों की देशना केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन को स्थिर, संयमित और संतुलित बनाने का शाश्वत मार्गदर्शन है। जन्म-मरण और दुःख के अनवरत चक्र से मुक्ति बाहरी परिस्थितियों को बदलने से नहीं, बल्कि अंतर्मन में उठने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे चार कषायों के निग्रह से संभव है। यही भगवान महावीर की देशना का मूल मर्म और आत्मकल्याण का प्रामाणिक पथ है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने पुराना आजाद नगर स्थित वर्धमान भवन जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने कहा कि संसार का प्रत्येक जीव अभिमन्यु की भांति संसार रूपी चक्रव्यूह में प्रवेश तो कर लेता है, लेकिन उससे बाहर निकलने की विधि नहीं जानता। जन्म-मरण और संसार परिभ्रमण के इस अनवरत चक्र को गति देने वाले मूल कारण क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे चार कषाय हैं। जब तक इन पर संयम और निग्रह स्थापित नहीं होता, तब तक कर्मबंधन, अशांति और दुःख का सिलसिला समाप्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि क्रोध का सबसे बड़ा संकट उसका प्रकट होना नहीं, बल्कि उसका समर्थन किया जाना है। सामान्यतः व्यक्ति क्रोध के बाद क्षणिक पश्चाताप तो करता है, लेकिन कुछ समय बाद उसे उचित ठहराने लगता है। यही आत्म-समर्थन क्रोध को संस्कार का रूप दे देता है। व्यक्ति यह मान बैठता है कि यदि उसने कठोर व्यवहार

नहीं किया होता तो सामने वाला नहीं सुधरता, जबकि वास्तविक परिवर्तन का आधार क्रोध नहीं, बल्कि प्रेम, आत्मीयता और विश्वास होता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि माता-पिता जब संतान को डांटते हैं तो बच्चे उनके क्रोध को नहीं, बल्कि उनके स्नेह को स्वीकार करते हैं। यदि वही व्यवहार कोई अपरिचित व्यक्ति करे तो उसे कोई स्वीकार नहीं करेगा। इससे स्पष्ट है कि प्रभाव क्रोध का नहीं, बल्कि संबंधों में निहित प्रेम और विश्वास का होता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने क्रोध का समर्थन करने के बजाय उसका निष्पक्ष आत्मविश्लेषण करना चाहिए। यदि वह यह स्वीकार कर ले कि विचार उचित हो सकता है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति अनुचित थी, तो क्रोध का वेग स्वतः कम होने लगता है। उन्होंने नियंत्रित और अनियंत्रित अग्नि का उदाहरण देते हुए कहा कि चूल्हे की नियंत्रित अग्नि जीवन का पोषण करती है, जबकि नियंत्रण से बाहर वही अग्नि विनाश का कारण बन जाती है। इसी प्रकार संयमित मन कठिन परिस्थितियों का समाधान खोज लेता है, जबकि अनियंत्रित क्रोध संबंधों में कटुता, परिवार में अशांति और समाज में संघर्ष को जन्म देता है। जब सामने वाला क्रोध की अग्नि बन जाए, तब स्वयं को शीतल जल की भांति संयमित रखना ही सच्चा विवेक है। युवाचार्यश्री ने कहा कि यदि क्रोध पर नियंत्रण कठिन है तो अहंकार का त्याग उससे भी अधिक कठिन है। आज का मनुष्य सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रति इतना संवेदनशील हो गया है कि छोटी-सी उपेक्षा भी उसे अपमान प्रतीत होने लगती है। सामाजिक प्रतिष्ठा, पद, धन और वैभव पर आधारित अहंकार अधिकांश मानसिक क्लेशों का कारण बनता है। उन्होंने चीन के दार्शनिक लाओ त्से का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसने अपने अहंकार का त्याग कर दिया, उसे कोई पराजित नहीं कर सकता। विनम्रता ही स्थायी सम्मान का आधार है। उन्होंने कहा कि माया मनुष्य को आडंबर और असत्य की ओर ले जाती है। एक असत्य को छिपाने के लिए अनेक असत्य गढ़ने पड़ते हैं, जबकि सत्य सदैव सहज और निर्भय होता है। इसी प्रकार लोभ की कोई सीमा नहीं होती। जितना उसका विस्तार होता है, उतना ही संतोष और शांति का क्षय होता जाता है। भौतिक उपलब्धियां क्षणिक सुख दे सकती हैं, लेकिन स्थायी आनंद आत्मसंयम और संतोष से ही प्राप्त होता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों का विस्तार नहीं, बल्कि अंतर्मन का परिष्कार और कषायों का परिमार्जन है।

निःशुल्क आयुर्वेद-नेचुरोपैथी चिकित्सा शिविर में 150 से अधिक मरीजों ने लिया लाभ

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया स्वास्थ्य परामर्श, प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने का किया आह्वान

हनुमानगढ़। शाबाश इंडिया। श्री नीलकंठ महादेव सेवा प्रन्यास एवं वाग्भट वैलनेस एवं आयुष रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को हनुमानगढ़ जंक्शन के गांधी नगर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में निःशुल्क आयुर्वेद-नेचुरोपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा फीता काटकर एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में 150 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श तथा आयुर्वेद आधारित उपचार संबंधी मार्गदर्शन का लाभ उठाया। उद्घाटन समारोह में श्री नीलकंठ महादेव सेवा प्रन्यास के अध्यक्ष अश्विनी नारंग, वाग्भट वैलनेस एवं आयुष रिसर्च सेंटर तथा एसकेडी के संस्थापक बाबूलाल जुनेजा, रामचन्द्र बाघला, चिमन मित्तल (बब्बू), महावीर शर्मा, भीष्म कौशिक, दीपक नारंग, अनिल शर्मा, विजय भूतना, सुरेन्द्र गाड़ी, रत्तीराम शाक्य, श्रवण सहारण, राजकुमार नागपाल, सुनील मिड्ढा, साहबराम करड़वाल, नरेश बाघला, महेश कुमार लकेसर, चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार बंसल तथा स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक विजय कौशिक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. राकेश एवं डॉ. मांगीलाल सुथार ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें व्यक्तिगत चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान किडनी, लीवर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, मोटापा, जोड़ों एवं घुटनों के दर्द, रीढ़ संबंधी समस्याएं, स्लिप डिस्क, नसों के रोग, अस्थमा, अनिद्रा, मिर्गी सहित विभिन्न दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच कर आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के अनुरूप उपचार और जीवनशैली संबंधी सुझाव दिए गए। चिकित्सकों ने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या तथा प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया। प्रन्यास के अध्यक्ष अश्विनी नारंग ने कहा कि ऐसे चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं, बल्कि लोगों में आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन एवं वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। एसकेडी के संस्थापक बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि बदलती जीवनशैली, तनाव और अनियमित खान-पान के कारण लोग अनेक गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा रोगों के उपचार के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य आमजन तक सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। भीष्म कौशिक ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लोग बिना दुष्प्रभाव के बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने ऐसे जनहितकारी आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर प्रभारी अनिल जांदू ने बताया कि शिविर में आए सभी मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप व्यक्तिगत परामर्श प्रदान किया गया। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, अतिथियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। शिविर के सफल संचालन में प्रशासक जयवीर सिंह, विकास भादू, राजकुमार, पूजा गौड़, कमलेश, रविकुमार, वंदना, स्नेहा, पिंकी, रेणुका, पंकज सहित नर्सिंग एवं आयुष विभाग के विद्यार्थियों तथा वाग्भट टीम के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

भारत को समृद्ध और संपन्न बनाने के लिए पुरातन पद्धति की ओर लौटना होगा : योगसागर जी महाराज

आवा. शाबाश इंडिया

भारत को समृद्ध, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए देश को अपनी प्राचीन जीवनशैली, कृषि पद्धति और पारंपरिक उद्योगों की ओर लौटना होगा। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ शिष्य, निर्यापक श्रमण योगसागर जी महाराज ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहकर उत्पादन आधारित कार्यों की ओर अग्रसर होना चाहिए। हथकरघा, कृषि और लघु उद्योगों में रोजगार एवं विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि को स्वदेशी बीजों पर आधारित होना चाहिए। देशी बीजों से उत्पन्न होने वाले अनाज अधिक पौष्टिक और रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले होते हैं, जबकि विदेशी बीजों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं बढ़ रही हैं। एक दोहे के माध्यम से उन्होंने गेहूं की अपेक्षा बाजरे के पोषण मूल्य और उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि ₹बाजरा गुरु है।₹ उन्होंने कहा कि भारत को समृद्ध और संपन्न बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पुरातन कृषि पद्धति को भी अपनाना होगा। परिवर्तन की शुरूआत हो चुकी है, लेकिन इसे व्यापक स्तर पर स्थापित होने में समय लगेगा। योगसागर जी महाराज ने कहा कि संन्यासी और न्यासी दोनों का आहार संतुलित एवं सात्विक होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी शिक्षा प्रणाली और विदेशी भाषाओं के बढ़ते प्रभाव ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को कमजोर किया है। आवश्यकता इस बात की है कि नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा और स्वदेशी जीवनशैली से जोड़ा जाए। इस अवसर पर योगसागर जी महाराज ने कस्बे में संचालित विद्याशीष हथकरघा प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र का अवलोकन भी किया। उल्लेखनीय है कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से देशभर में अनेक स्थानों तथा विभिन्न जेलों में हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार मिल रहा है तथा पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्त्रों के निर्माण को नई पहचान मिल रही है। जेलों में भी कैदियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से लगभग नौ वर्ष पूर्व आवा में विद्याशीष हथकरघा प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र की स्थापना की गई थी। केंद्र के चेयरमैन आशीष जैन शास्त्री एवं रोहित जैन ने बताया कि यहां अनेक युवक-युवतियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में पारस सैनी, सोनू मीणा, दुगार्शंकर गुर्जर सहित कई युवा अपनी कला के माध्यम से साड़ियां, तौलिए, बेडशीट और अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार कर रहे हैं। उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण इन बुनकरों को जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। धर्मसभा को संबोधित करते हुए योगसागर जी महाराज ने कहा कि हस्तनिर्मित वस्त्र भारत की प्राचीन अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार रहे हैं। ऐसे लघु उद्योग गांवों से पलायन रोकने, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने और लोगों को स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने हथकरघा उद्योग, गौशालाओं तथा जीवदया जैसे अनेक लोककल्याणकारी प्रकल्पों को सदैव अपना आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्रदान किया। धर्मसभा में चांदमल धानोत्या, ओमप्रकाश ठग, चंदू हरसौरा, कमलेश हरसौरा, नोरत ठग, सुरेश सामरिया सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

।। सविनय श्रद्धांजलि गुरुवर के चरणों में ।।

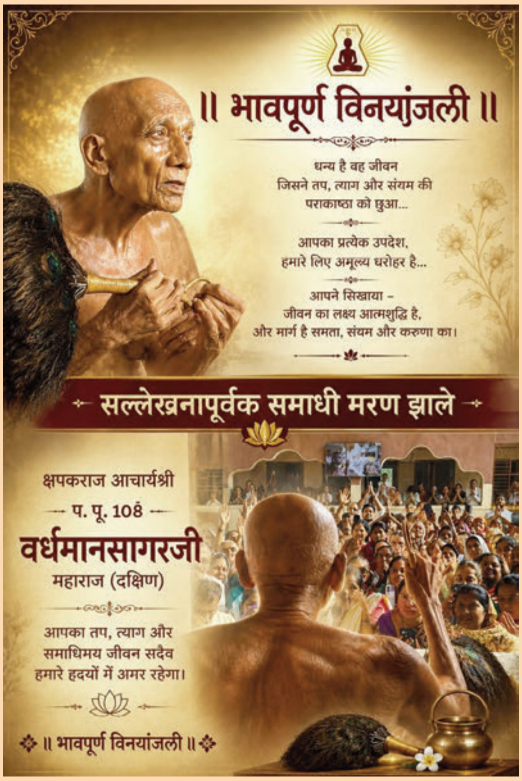

चारित्र चक्रवर्ती शांतिसागर की पावन परंपरा,
जहाँ तप, त्याग और संयम का अनुपम विधान है।
गुरु सन्मतिसागर के सुयोग्य शिष्य,
शिरोमणि आचार्य वर्द्धमान सागर जी महान हैं॥

सिद्धक्षेत्र कुण्ठलगिरि की पावन धरा पर,
यम-सल्लेखना का अनुपम व्रत धारण किया।
अन्न-जल का त्याग कर आत्मा में लीन हुए,
तेरह दिनों का कठिन तप धैर्यपूर्वक पूर्ण किया॥

विद्यासिंधु आचार्य विद्यासागर गुरु का सान्निध्य मिला,
णमोकार मंत्र की धुन प्राणों में उतारी थी।
रात्रि 11 बजकर 34 मिनट की पावन बेला में,
समाधि पूर्ण हुई, महिमा अपरंपार न्यारी थी॥

सरल स्वभाव, संयम के धारी,
कोटि-कोटि वंदन, हे अनागारी।
तप की प्रतिमूर्ति, परम तपस्वी,
राग-द्वेष से रहित हुए यशस्वी॥

सावधानी से देह का त्याग किया,
अंतर में वैराग्य का प्रकाश लिया।
मरण को भी महोत्सव बना दिखलाया,
सिद्धपुरी का अमर पथ अपनाया॥

वर्द्धमान मुनिराज की पावन धीर समाधि,
मिट गया भव-भ्रमण, शांत हुई आधि-व्याधि।
शत-शत नमन ऋषिवर तुम्हें, सादर बारंबार,
समाधिमरण से पाया तुमने मोक्ष का सुखद द्वार॥

कोटिशः वंदन... बारंबार नमन...
परम तपस्वी आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज के श्रीचरणों में विनम्र श्रद्धांजलि।

– डॉ. अल्पना जैन
मालेगांव, नासिक (महाराष्ट्र)

श्रमण संस्कृति संस्थान : एक संकल्प जिसने हजारों विद्वानों से रचा स्वर्णिम इतिहास

सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर

मुरैना/द्रोणगिरी। (मनोज जैन नायक)

कुछ संस्थाएं केवल भवनों से नहीं बनतीं, वे विचार, संस्कार और संकल्प से जन्म लेती हैं। कुछ नाम मात्र पहचान नहीं होते, बल्कि विश्वास का पर्याय बन जाते हैं। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर ऐसा ही एक प्रतिष्ठित नाम है, जिसने शिक्षा, संस्कार और श्रमण संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। आज यह संस्थान केवल एक शिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि जैन श्रमण संस्कृति के पुनर्जागरण का सशक्त अभियान बन चुका है। परम पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद तथा डॉ. शीतलचंद्र जैन के दूरदर्शी मार्गदर्शन में 1 सितंबर 1996 को स्थापित यह संस्थान आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। एक छोटे से संकल्प के रूप में शुरू हुई इसकी यात्रा आज देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक अपनी पहचान बना चुकी है। जैन समाज का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहाँ इस संस्थान के कार्यों की चर्चा न होती हो। संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि इसके भवन या संसाधन नहीं, बल्कि यहां से तैयार हुए वे विद्वान हैं, जिन्होंने जैन दर्शन और संस्कृति का व्यापक प्रचार-प्रसार किया है। वर्तमान में लगभग 200 विद्यार्थी संस्थान में रहकर शास्त्री की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि अब तक 1,000 से अधिक विद्यार्थी यहां से शास्त्री बन चुके हैं। इनमें से 600 से अधिक विद्वान विभिन्न सरकारी सेवाओं में कार्यरत होकर समाज और राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि संस्थान केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी निर्माण करता है। श्रमण संस्कृति संस्थान की विशेषता यह है कि यहां शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यवहार, संयम और जीवन मूल्यों का हिस्सा बनती है। यही कारण है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी वैराग्य के मार्ग पर अग्रसर होकर साधु जीवन अपना चुके हैं। वर्तमान में इस संस्थान से जुड़े 3 से अधिक दिगंबर मुनिराज, 7 से अधिक ऐलक तथा 10 से अधिक ब्रह्मचारी धर्म-साधना में निरंतर रत हैं। यह संस्थान भावी श्रमणों और आध्यात्मिक नेतृत्व के निर्माण की भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समय के साथ तकनीक बदली, लेकिन संस्थान का उद्देश्य नहीं बदला। आज इसकी द्वादशवर्षीय अध्ययन योजना के माध्यम से 30,000 से अधिक विद्यार्थी घर बैठे अध्ययन कर रहे हैं। यह पहल दर्शाती है कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो दूरी कभी शिक्षा में बाधा नहीं बनती। संस्थान देशभर में हजारों जैन पाठशालाओं के संचालन में सहयोग कर रहा है। इसके विद्वान 2,000 से अधिक मंदिरों में विभिन्न धार्मिक एवं शैक्षणिक शिविरों का संचालन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त 1,200 से अधिक मंदिरों में दशलक्षण महापर्व के दौरान विद्वानों की व्यवस्था कर संस्थान ने धर्मप्रचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्थान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि संत सुधासागर बालिका छात्रावास भी है। यह केवल छात्रावास नहीं, बल्कि संस्कार, शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है। वर्तमान में यहां लगभग 200 बालिकाएं अध्ययनरत हैं। उन्हें आधुनिक शिक्षा के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। यहां से शिक्षित अनेक बालिकाएं आज विदुषी, प्रभावशाली वक्ता और समाज की प्रेरणा बनकर धर्मध्वजा को आगे बढ़ा रही हैं। संस्थान की यात्रा चुनौतियों से भी अछूती नहीं रही। प्रारंभिक वर्षों में अनेक कठिनाइयों और विरोधों का सामना करना पड़ा, लेकिन समर्पण, अनुशासन और सतत प्रयासों के बल पर संस्थान निरंतर आगे बढ़ता रहा। आज इसकी उपलब्धियां स्वयं इसकी कार्यशैली और सामाजिक स्वीकार्यता का प्रमाण हैं। वर्तमान समय में श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर केवल एक शिक्षण संस्था नहीं, बल्कि विश्वास, अनुशासन, समर्पण और धर्मसेवा का सशक्त प्रतीक बन चुका है। इसने सिद्ध कर दिया है कि जब उद्देश्य समाजहित का हो, गुरु का आशीर्वाद साथ हो और नेतृत्व दूरदृष्टि एवं समर्पण से परिपूर्ण हो, तब एक छोटा-सा संकल्प भी समय के साथ विशाल वटवृक्ष बनकर समाज और संस्कृति को नई दिशा देने में सक्षम हो जाता है।

महाकालेश्वर धाम का द्वितीय वार्षिक महोत्सव संपन्न, भव्य वरघोड़े में उमड़ा आस्था का सैलाब

धर्म ध्वजारोहण, संत सम्मान और महाप्रसादी के साथ दो दिवसीय महोत्सव का हुआ समापन

भीनमाल। (मुकेश सोलंकी)

शहर के क्षेमंकरी माताजी तलहटी स्थित महाकालेश्वर धाम में आयोजित मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का द्वितीय वार्षिक महोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया। दो दिवसीय इस धार्मिक महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित विभिन्न अनुष्ठानों में भीनमाल सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महोत्सव के दूसरे दिन प्रातः महाकालेश्वर धाम से भगवान महाकाल का भव्य वरघोड़ा (शोभायात्रा) गाजे-बाजे और जयघोषों के बीच रवाना हुआ। धाम के महंत नवीनगिरि महाराज ने बताया कि शोभायात्रा महाकालेश्वर धाम से प्रारंभ होकर घांचियों का चौहट्टा, पुराना पूनासा बस स्टैंड, माघ चौक और खारी रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। पूरे मार्ग में श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयघोष करते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया।

धर्म ध्वजारोहण और संतों का सम्मान

महोत्सव के दौरान क्षेत्र के अनेक संतों का सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। समारोह में दत्तगिरि महाराज, किशनगिरि महाराज, गोविंदगिरि महाराज, गोविंदानंद गिरि महाराज, अलकेश गिरि महाराज, नवीनगिरि महाराज, साध्वी राधाजी महाराज तथा मुन्ना महाराज सहित अनेक संत उपस्थित रहे। मंगलवार दोपहर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर शिखर पर धर्म ध्वजा का विधिवत ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात आयोजित समारोह में सभी संतों का शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। संतों ने अपने आशीर्वचनों में धर्म, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

भजन संध्या में बही भक्ति की सरिता

महोत्सव के पहले दिन सोमवार रात्रि विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन कलाकार राकेश मंडोरा एंड पार्टी, अनिता जांगिड़ एंड पार्टी, रमेश माली एंड पार्टी तथा लिलेश राठौड़ एंड पार्टी ने सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रखा। वहीं प्रसिद्ध हास्य कलाकार जगिया पिंटिया एंड पार्टी ने अपनी हास्य प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रद्धालुओं का भरपूर मनोरंजन किया। धार्मिक अनुष्ठानों, महाआरती, धर्म ध्वजारोहण एवं संत सम्मान

के उपरांत विशाल महाप्रसादी (भंडारे) का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज और योग ऋषि स्वामी रामदेव की प्रेरणा से स्वास्थ्य एवं संयम का जनअभियान हुआ भव्य रूप से संपन्न

सोनकच्छ में बना इतिहास, हजारों लोगों ने लिया "हर मास एक उपवास" का संकल्प

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया

स्थानीय कृषि उपज मंडी परिसर में मंगलवार को अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज एवं योग ऋषि स्वामी रामदेव की प्रेरणा से संचालित ?हर मास एक उपवास? जनजागरण अभियान के अंतर्गत विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों लोगों ने प्रत्येक माह एक दिन उपवास रखने का संकल्प लिया। आयोजकों ने इसे अभियान की ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए स्वास्थ्य, संयम और आत्मअनुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोनल बाकलीवाल के मंगलाचरण से हुआ। संघ की ओर से मुनि नेगम सागर जी महाराज ने गुरुवंदना प्रस्तुत की। दीप प्रज्वलन समारोह में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक राजेश सोनकर, माधव न्यास ट्रस्टी प्रदीप पांडे, मोटिवेशनल स्पीकर उज्वल पाटनी, जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र पाटोदी, पुष्पगिरि तीर्थ अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा, अंतर्मना संघपति दिलीप हुमड़ तथा पतंजलि परिवार के एस.के. तिजारावाला सहित अनेक अतिथियों ने भाग लिया। सभी अतिथियों ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य संघ की ओर से उपाध्याय मुनि पियूष सागर जी महाराज ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। इसके बाद सभी अतिथियों ने ''हर मास एक उपवास'' अभियान का औपचारिक शुभारंभ करते हुए जनसंकल्प दिलाया। आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि साधु-संत 24 घंटे में केवल एक बार भोजन ग्रहण करते हुए भी प्रतिदिन लंबी पदयात्रा करते हैं, जबकि आज का सामान्य व्यक्ति बार-बार भोजन करने के बावजूद शारीरिक रूप से कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है और स्वस्थ शरीर के लिए संयमित आहार एवं नियमित उपवास अत्यंत आवश्यक हैं। उपवास केवल धार्मिक साधना नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से नकारात्मक सोच छोड़कर आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने तथा प्रत्येक माह कम से कम एक उपवास करने का आग्रह किया। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि उपवास का वास्तविक अर्थ भगवान के निकट रहना है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना में भी उपवास का विशेष महत्व बताया गया है। उन्होंने घोषणा की कि शिव महापुराण कथा के माध्यम से भी लोगों को 'हर मास एक उपवास' अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जैन मुनियों के त्याग, तप और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि जीवन में त्याग सीखना हो तो जैन संतों से सीखना चाहिए। मोटिवेशनल स्पीकर उज्वल पाटनी ने कहा कि सकारात्मक सोच, संयमित जीवन और तकनीक का संतुलित उपयोग व्यक्ति को सफल बनाता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल हमारा साधन है, स्वामी नहीं। भोजन का उपवास शरीर को, मोबाइल का उपवास मन को और नकारात्मकता का उपवास पूरे जीवन को आनंदमय बना देता है। इस अवसर पर आचार्यश्री ने पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रशस्ति-पत्र, साहित्य एवं मोतियों की माला पहनाकर सम्मान किया। सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक राजेश सोनकर तथा माधव न्यास ट्रस्टी प्रदीप पांडे ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन उपाध्याय मुनि पियूष सागर जी महाराज ने किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति और युवा भारत के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी ''हर मास एक उपवास, रचेंगे इतिहास'' का सामूहिक संकल्प लिया। इनमें राजेंद्र आर्य, प्रेम पूनिया, नवेंदु आस्था, संजय शर्मा, विक्रम डूडी, अशोक त्रिवेदी तथा महेन्द्र परमार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक राजेश सोनकर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी आयोजन समिति एवं आचार्य संघ के प्रवक्ता रोमिल जैन ने दी।

उपवास के तीन प्रोटोकॉल

प्रवर्तक मुनि सहज सागर जी के अनुसार ''हर मास एक उपवास'' अभियान से अब तक लगभग 15 करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज एवं योग ऋषि स्वामी रामदेव की प्रेरणा से उपवास के तीन स्वरूप बताए गए हैं—

उत्तम उपवास: 24 घंटे का उपवास, 10 मिनट योग, 2 मिनट ध्यान। इसमें जल एवं भोजन का सेवन नहीं किया जाता।

मध्यम उपवास: 24 घंटे का उपवास, 10 मिनट योग, 2 मिनट ध्यान। इसमें जल, नारियल पानी अथवा नींबू शिकंजी का सेवन किया जा सकता है।

सरल उपवास : 24 घंटे का उपवास, 10 मिनट योग, 2 मिनट ध्यान। इसमें जल, नारियल पानी या नींबू शिकंजी के साथ एक समय फलाहार लिया जा सकता है।

इस संबंध में प्रचार-प्रसार संयोजक रोमिल पाटणी, नरेंद्र अजमेरा एवं पियूष कासलीवाल ने विस्तृत जानकारी प्रदान की।

समय की चाल निराली... जयघोष के बीच रामगढ़ पहुंचे आचार्य वर्द्धमान सागर जी महाराज

आज प्रातः 5:15 बजे दांता की ओर होगा मंगल विहार, 14 से 16 जुलाई तक धोद में मनाया जाएगा 37वां आचार्य पदारोहण दिवस

रामगढ़। (आयुष पाटनी)

परम पूज्य आचार्य श्री 108 वर्द्धमान सागर जी महाराज ससंघ (37 पिच्छिका) का मंगलवार को रामगढ़ में श्रद्धा, भक्ति और जयघोष के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जैसे ही आचार्य श्री का संघ नगर सीमा में पहुंचा, श्रद्धालुओं ने मंगल गीत, गुरु वंदना और जयघोष के साथ भावभीना स्वागत किया। पूरे मार्ग पर आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, बच्चे एवं धर्मप्रेमी संयम यात्रा के दर्शन और वंदना के लिए उमड़ पड़े। आचार्य श्री ससंघ का श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन काँच मंदिर पहुंचने पर समाजजनों ने विधिवत मंगल अगवानी की। श्रद्धालुओं ने गुरु वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दिनभर नगर का वातावरण धर्ममय बना रहा और मंदिर परिसर में दर्शन एवं प्रवचनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

समय किसी का सगा नहीं : आचार्यश्री

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ने समय की अनिश्चितता पर गहन आध्यात्मिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ''समय का कोई भरोसा नहीं, यह कब करवट बदल दे, कोई नहीं जानता। इसलिए अच्छे कार्यों को कभी कल पर मत छोड़ो।'' उन्होंने कहा कि मनुष्य अक्सर यह सोचकर धर्म, सेवा, तप और आत्मचिंतन को टाल देता है कि अभी बहुत समय शेष है, जबकि समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है। जो व्यक्ति समय रहते संयम, सेवा, त्याग और सत्कर्म को अपनाता है, वही अपने जीवन को सार्थक बना पाता है। आचार्यश्री ने कहा कि सुख-दुख, लाभ-हानि और मान-अपमान समय के साथ बदलते रहते हैं। इसलिए मनुष्य को अहंकार से दूर रहकर विनम्रता, आत्मबल और समता का मार्ग अपनाना चाहिए। बाहरी सुख क्षणिक हैं, जबकि आत्मा की शांति ही वास्तविक आनंद का स्रोत है। उन्होंने कहा कि धर्म केवल मंदिरों तक सीमित न रहे, बल्कि वह हमारे व्यवहार, विचार और जीवनचर्या में भी दिखाई देना चाहिए।

आज प्रातः दांता की ओर होगा मंगल विहार

समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि आचार्य श्री का रामगढ़ में रात्रि विश्राम रहेगा। इसके बाद बुधवार प्रातः 5:15 बजे श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन काँच मंदिर से लगभग 4.8 किलोमीटर का मंगल विहार करते हुए आचार्य श्री ससंघ दांता के लिए प्रस्थान करेंगे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु संघ की अगवानी करेंगे। वात्सल्य वारिधि भक्त परिवार ने सभी धर्मप्रेमियों से समय पर पहुंचकर मंगल विहार में सहभागी बनने और धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

धोद में मनाया जाएगा 37वां आचार्य पदारोहण दिवस

आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज का 37वां आचार्य पदारोहण दिवस 14 से 16 जुलाई तक धोद में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान विविध धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आयोजन में प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

जैन समाज ने डोटासरा से की मुलाकात, कांग्रेस संगठन में उचित प्रतिनिधित्व की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा से जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर कांग्रेस संगठन में जैन समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की। राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद एवं सदस्य अनिल छाबड़ा के नेतृत्व में जयकुमार जैन-बड़जात्या, मोहित जैन सहित प्रतिनिधिमंडल ने डोटासरा से भेंट कर जैन समाज की भावनाओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस संगठन में जैन समाज का प्रतिनिधित्व नगण्य है, जबकि जैन समाज का प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था तथा औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता जयकुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की प्रदेश सभा, राजस्थान के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गजानंद जांगिड़, जांगिड़ युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल जांगिड़, प्रदेश जांगिड़ महासभा (राजनीतिक प्रकोष्ठ) के प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज जांगिड़, जांगिड़ समाज हस्तकला सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गणेशलाल जांगिड़, संरक्षक के.एल. जांगिड़ तथा अशोक जांगिड़ सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जैन एवं जांगिड़ समाज के पदाधिकारियों ने गोविन्द सिंह डोटासरा का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान डोटासरा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे जैन समाज एवं जांगिड़ समाज की भावनाओं से पार्टी नेतृत्व को अवगत कराएंगे तथा संगठन में उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए सकारात्मक प्रयास करेंगे।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जनजागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति द्वारा मांगलिक धाम परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। संभाग अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि महिला अंचल के निर्देशन में राजस्थान अंचल के सभी संभागों में एक साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसी क्रम में चित्तौड़गढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महासमिति की महिलाओं ने छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है और वृक्षारोपण जैसे अभियान समाज में हरियाली तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित प्रेरक नारों के माध्यम से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश भी दिया। उपस्थित सदस्यों ने पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए लोगों से भी इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर महासमिति की संरक्षिका मनोरमा अजमेरा, महिला प्रकोष्ठ मंत्री मधु अग्रवाल, मनोनीत सदस्य प्रेम सोनी, मधु पाटनी, मंजु टोंग्या, पद्मा जैन, मानकवर गोधा, पूजा चांदवाड, प्रभा गंगवाल, आशा अजमेरा, ममता अजमेरा, कमलेश पाटनी, नीलम अजमेरा, कल्पना जैन सहित अनेक महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्लड टेस्ट से शुरूआती कैंसर की पहचान संभव, रिलायंस की स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज को मिला भारतीय पेटेंट

बेंगलुरु. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज को ऐसी उन्नत तकनीक के लिए भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है, जो केवल ब्लड सैंपल के माध्यम से कैंसर की शुरूआती पहचान करने और उसके संभावित स्रोत का पता लगाने में मदद कर सकती है। इस तकनीक को कैंसर की समय रहते जांच और उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। कंपनी के अनुसार यह प्लेटफॉर्म सेल-फ्री डीएनए का विश्लेषण करता है। इसमें जीनोम सीक्वेंसिंग, जैविक डेटा विश्लेषण तथा मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसके माध्यम से कैंसर से जुड़े डीएनए पैटर्न में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों की पहचान कर बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लगाया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर का समय पर पता चलने से मरीजों को बेहतर उपचार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वर्तमान में बड़ी संख्या में मरीजों में कैंसर की पहचान तब होती है, जब बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है, जिससे उपचार अधिक जटिल हो जाता है। स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश हरिहरन ने कहा कि यह भारतीय पेटेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित लिक्विड बायोप्सी तकनीक के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि कंपनी का उद्देश्य ऐसे समाधान विकसित करना है, जो कैंसर स्क्रीनिंग को अधिक सटीक, व्यापक स्तर पर उपयोगी और आम लोगों के लिए सुलभ बना सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तकनीक के व्यापक उपयोग से भविष्य में कैंसर की शुरूआती पहचान आसान होगी, जिससे समय रहते उपचार शुरू कर मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

महावीर इंटरनेशनल के सेवा पखवाड़े के सप्तम दिवस मूक-बधिर एवं नेत्रहीन विद्यार्थियों को खाद्य सामग्री भेंट

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के सप्तम दिवस महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा, कुचामन सिटी द्वारा ''सबकी सेवा, सबको प्यार-जियो और जीने दो'' के उद्देश्य को साकार करते हुए सम्पर्क संस्थान मूक-बधिर एवं नेत्रहीन आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को खाद्य सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अध्यापिका वीरा सरला खटोड़ एवं उनके परिवार के सहयोग से विद्यालय को गेहूं, चावल, चाय, चीनी, देशी घी, खाद्य तेल सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों को दोपहर के अल्पाहार में पानी-पूरी (पतासी) भी खिलाई गई, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सेवा पखवाड़े का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद, दिव्यांग एवं वंचित वर्गों तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में सहभागी बनना चाहिए। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़िया, वीरा धरा अध्यक्ष वीरा सरोज पाटनी, वीरा सचिव शारदा, वीर सोहनलाल वर्मा, वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा, वीर बलराम प्रधान सहित संस्था के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

– वीर सुभाष पहाड़िया

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में डायमंड ग्रुप की अनूठी पहल, किया पौधारोपण

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड ने मंदिर परिसर में लगाए छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधे

जयपुर. शाबाश इंडिया। फेडरेशन के निर्देशानुसार एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड, जयपुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा प्रकल्प के तहत आयोजित इस अभियान में ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्रुप अध्यक्ष राजेंद्र सेठी ने बताया कि मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने स्वयं श्रमदान कर पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल एवं सिंचाई करने का सामूहिक संकल्प भी लिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 'सेवा प्रकल्प' के इस आह्वान पर ग्रुप के सदस्यों एवं दंपतियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने को लेकर सभी में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष यश कमल एवं श्रीमती संगीता अजमेरा, अध्यक्ष राजेंद्र सेठी एवं श्रीमती हर्षा सेठी, सचिव अतुल छाबड़ा एवं श्रीमती सुधा छाबड़ा का विशेष सहयोग रहा। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन गोदिका ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पौधारोपण कार्यक्रम के संयोजक अरविंद काला एवं श्रीमती संगीता काला के कुशल मार्गदर्शन में पूरे कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष राजेंद्र सेठी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेड़-पौधे ही स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन का आधार हैं। उन्होंने कहा कि फेडरेशन के निर्देशानुसार आयोजित यह अभियान पूरी तरह सफल रहा तथा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा के ऐसे जनहितकारी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। पौधारोपण का यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने के साथ-साथ सामूहिक सहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

संसार परिभ्रमण का मुख्य कारण मोह है: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

आज निवाई में होगा भव्य मंगल प्रवेश

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, झिलाई (राजस्थान) में विराजमान परम पूज्य भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ ने कहा कि संसार में जीव के अनंत परिभ्रमण का मुख्य कारण मोह है। यदि जीव मोह का नाश कर ले, तो उसके संसार परिभ्रमण का भी अंत हो सकता है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात आयोजित धर्मसभा में आर्यिका माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोहनीय कर्म ही जीव को जन्म-मरण के चक्र में भटकाता है। मोह का अर्थ है किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति में इस प्रकार लीन हो जाना कि मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप, स्वभाव और मूल धर्म को ही भूल जाए। जब व्यक्ति अपने अस्तित्व को भूलकर बाहरी पदार्थों को ही सब कुछ मान बैठता है, तभी मोह उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने वास्तविक आत्मस्वरूप को पहचान लेता है और अपने अतिरिक्त सभी पदार्थों को पर मानता है, वही मोक्ष का अधिकारी बनता है। आत्मा की पहचान और मोह का क्षय ही आत्मकल्याण का वास्तविक मार्ग है। आर्यिका माताजी ने कहा कि व्यवहार जगत में अपना और पराया जैसे शब्दों का प्रयोग स्वाभाविक है। परिवार, समाज, संस्था अथवा किसी भी समूह का व्यवहार इनके बिना संभव नहीं है, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से आत्मा को अपने वास्तविक स्वरूप का बोध होना चाहिए। जब जीव आत्मस्वरूप में स्थित होकर मोह और आसक्ति से मुक्त हो जाता है, तभी मोक्षमार्ग प्रशस्त होता है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का विहार सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ जिनालय, गुन्सी की ओर चल रहा है। इसी क्रम में 8 जुलाई 2026 को निवाई में उनका भव्य मंगल प्रवेश होगा। जैन समाज ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मंगल प्रवेश में सहभागी बनने एवं धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान में अभिषेक जैन 'बिट्टू' जयपुर जिला सदस्य मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक जैन 'बिट्टू' को जयपुर जिला इकाई का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर संस्थान की जिला संयोजक कुसुमलता जैन ने उन्हें नियुक्ति-पत्र प्रदान करते हुए शुभकामनाएं दीं। जिला संयोजक कुसुमलता जैन ने विश्वास व्यक्त किया कि अभिषेक जैन महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सेवा, सद्भाव और मानवता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संस्थान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त सदस्य अभिषेक जैन 'बिट्टू' ने इस दायित्व के लिए संस्थान के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मनोनयन उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे संस्थान द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सेवा के आदर्श आज भी समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। गांधीवादी विचारधारा के प्रचार-प्रसार, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास तथा जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में वे संस्थान के साथ सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों ने अभिषेक जैन को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

राधा आश्रम में सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा एवं विश्व शांति के लिए भव्य महायज्ञ

कन्या पूजन, ब्रह्मभोज और धार्मिक अनुष्ठानों में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

अम्बाह. शाबाश इंडिया। अंचल में सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं विश्व शांति की मंगलकामना को लेकर ग्राम थरा स्थित राधा आश्रम में वैदिक परंपरा के अनुसार भव्य विश्व शांति महायज्ञ, कन्या पूजन एवं ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया। पंडित रामदत्त मिश्रा की प्रेरणा से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुति अर्पित की और क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। महायज्ञ का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ हुआ। यज्ञाचार्य पंडित अमित मिश्रा ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार हवन संपन्न कराया। यज्ञ में श्रद्धालुओं ने अच्छी वर्षा, अन्न-धन की समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण, जनकल्याण तथा विश्व में शांति एवं सद्भाव की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित कीं। वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर पंडित अमित मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में यज्ञ का विशेष महत्व है। यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि समय पर होने वाली अच्छी वर्षा किसानों के लिए समृद्धि का आधार बनती है और इससे समाज के प्रत्येक वर्ग का जीवन प्रभावित होता है। इसलिए प्रकृति संरक्षण, धार्मिक आस्था और सामाजिक मूल्यों का पालन करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। महायज्ञ के उपरांत कन्या पूजन का आयोजन किया गया। गांव की बालिकाओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण पखारे गए, तिलक लगाया गया तथा चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद सभी कन्याओं को ससम्मान भोजन कराया गया तथा उपहार एवं दक्षिणा भेंट की गई। कार्यक्रम के समापन पर विशाल ब्रह्मभोज का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, श्रद्धालुओं एवं आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर में धर्म, सेवा, श्रद्धा और समर्पण का वातावरण बना रहा। ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों को सामाजिक समरसता, भाईचारे, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने वाला बताया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, महिला-पुरुष श्रद्धालु, युवा एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मिशन मुस्कान के तहत मंडला स्कूल के विद्यार्थियों को गणवेश वितरित

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 के प्रांतपाल लायन निशांत जैन द्वारा संचालित प्रमुख सेवा अभियान ''मिशन मुस्कान'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था ने तीर्थराज पुष्कर स्थित मंडला स्कूल के विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश वितरित किए। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन संयोजक एवं प्रांतीय सभापति (मिशन मुस्कान) लायन अतुल पाटनी के संयोजन में किया गया। इस सेवा कार्य में समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी तथा अन्य भामाशाहों का विशेष सहयोग रहा। उनके सहयोग से विद्यालय में अध्ययनरत अधिकांश कालबेलिया एवं रेबारी समाज के विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराए गए। उन्होंने बताया कि इस सेवा अभियान का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों के प्रति प्रेरित करना भी है। कार्यक्रम के दौरान मंडला संस्था के बुद्धिप्रकाश गौड़, शिक्षिका डिम्पल गौड़, सुमन कंवर एवं हेमलता की उपस्थिति में विद्यार्थियों को गणवेश वितरित किए गए। नए गणवेश पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। विद्यार्थियों ने मन लगाकर अध्ययन करने और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक, जयपुर की संडे पूल पार्टी में सदस्यों ने की जमकर मौज-मस्ती

वॉटर राइड्स, सामूहिक जैन डिनर और सम्मान समारोह ने बढ़ाया आयोजन का आकर्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यस्त दिनचर्या के बीच परिवार और मित्रों के साथ आनंद के कुछ पल बिताने के उद्देश्य से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक, जयपुर द्वारा रविवार को सदस्यों के लिए संडे पूल पार्टी का आयोजन किया गया। मुहाना मंडी के समीप मोहनपुरा स्थित स्काई लैंड 44 वॉटर पार्क में आयोजित इस मनोरंजक कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए दिनभर मौज-मस्ती का आनंद लिया। दोपहर 1 बजे वॉटर पार्क पहुंचने पर सभी सदस्यों का वेलकम ड्रिंक से स्वागत किया गया।इसके बाद रेस्टोरेंट में ब्रेड सैंडविच, मिर्ची बड़ा, वेज पकोड़े, चाय और कॉफी सहित स्वादिष्ट जलपान की व्यवस्था की गई।स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ कार्यक्रम का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया। जलपान के पश्चात सभी सदस्य वेव पूल में पहुंचे, जहां उन्होंने शीतल जल के बीच जमकर मस्ती की। वेव पूल के साथ विभिन्न वॉटर स्लाइड्स, राइड्स और फव्वारों का भी सभी ने भरपूर आनंद लिया। भीषण गर्मी के बीच शीतल जल और मनोरंजन ने सभी को तरोताजा कर दिया। पूल पार्टी के दौरान सदस्यों ने सामूहिक रूप से गीत-संगीत, नृत्य और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। सभी ने अपने मोबाइल कैमरों में यादगार पलों को कैद किया।चार घंटे तक चले इस मनोरंजक आयोजन में समय का पता ही नहीं चला और पूरा वातावरण उत्साह एवं उल्लास से सराबोर रहा। सायंकाल लगभग 6 बजे सभी सदस्यों के लिए रिसोर्ट के रेस्टोरेंट में पूर्णतः जैन भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। सभी ने सामूहिक रूप से भोजन का आनंद लेते हुए आपसी आत्मीयता और सौहार्द को और मजबूत किया।इस अवसर पर ग्रुप के नवदंपती सदस्य अशोक जैन एवं अंजू जैन तथा वीरेंद्र जैन एवं स्नेहा प्रभा जैन का अभिनंदन किया गया। वहीं ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य धनकुमार जैन का जन्मदिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उन्हें माल्यार्पण, तिलक एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा सभी सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। आयोजन में ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. इंद्र कुमार जैन एवं स्नेहलता जैन, सचिव नवल जैन एवं सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह एवं कल्पना शाह, संरक्षक महावीर बिंदायका एवं शकुंतला बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर बोहरा एवं लक्ष्मी बोहरा, विजय सोनी एवं सीमा सोनी, राकेश जैन एवं ज्योति जैन, धनकुमार जैन एवं अंजना जैन, रोशन जैन एवं आशा जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष डॉ. इंद्र कुमार जैन ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सदस्यों के बीच आत्मीयता, पारिवारिक सौहार्द और आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं। सभी सदस्यों ने शीघ्र ही पुनः किसी नए सामाजिक एवं मनोरंजक आयोजन में मिलने की आशा व्यक्त की।

भगवान विमलनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर श्री मुनिसुव्रतनाथ मंदिर में श्रद्धापूर्वक चढ़ाया गया निर्वाण लड्डू

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। देवाधिदेव 1008 श्री विमलनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर मंगलवार प्रातः श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान के चरणों में वंदना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रचार-प्रसार प्रभारी जितेंद्र पाटनी ने

बताया कि इस पावन अवसर पर गणाचार्य श्री 108 कुंथूसागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्याएं आर्यिका 105 सम्मेद शिखर मति माताजी एवं आर्यिका केवल श्री मति माताजी का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। आर्यिका माताजी ससंघ नारेली (अजमेर) से विहार करते हुए मंगलवार को किशनगढ़ में मंगल प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि आर्यिका माताजी ससंघ का आगामी चातुर्मास बड़ के बालाजी में संपन्न होगा। पंचायत अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बैद ने बताया कि मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य पंचायत के संरक्षक विनोद पाटनी, भागचंद बोहरा, विजय कुमार कासलीवाल, उपाध्यक्ष मांगीलाल झांझरी, मंत्री प्रदीप गंगवाल, उपमंत्री नरेश गंगवाल सहित कैलाश पाटनी, जितेंद्र पाटनी, सुरेश काला, मुकेश काला, राजेंद्र सोगानी, राजेश पाटनी, मुकेश पाटनी, विकास पाटनी, गौरव पाटनी, मुकेश पांड्या, सुभाष चौधरी, अरविंद बैद, गजेंद्र गोधा, विजय गंगवाल, प्रदीप बाकलीवाल, विकास गोधा, विशाल गोधा, राजू कासलीवाल, कैलाश गंगवाल, गिगराज ठोल्या, राजकुमार बैद, मुकेश पापड़ीवाल, अभिषेक पाटनी, अमित बैद, महेंद्र बाकलीवाल, पवन गोधा सहित अनेक श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान विमलनाथ के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लड्डू अर्पित कर आत्मकल्याण एवं विश्व मंगल की कामना की।

दिगंबर जैन परवार सभा की साधारण सभा संपन्न, समाजोत्थान एवं जनहित के नए प्रकल्पों पर बनी सहमति

उच्च शिक्षा के लिए पांच विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति देने का निर्णय

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन परवार समाज के सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए समर्पित संस्था श्री दिगंबर जैन परवार सभा की साधारण सभा रविवार को अंजनी नगर स्थित समाज के मांगलिक भवन में संपन्न हुई। बैठक में समाजहित एवं समाजोत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सभा की अध्यक्षता परवार सभा के अध्यक्ष राकेश जैन सिंघई (चेतक) ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परवार सभा समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे पांच मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करेगी, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग मिल सके। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों सचिन जैन, अभय जैन (अधिवक्ता), मनीष नायक, सतीष जैन, सुदीप जैन, अनिल जैन एवं चंद्रेश जैन ने स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा, व्यसन मुक्ति, समाजोत्थान तथा जनहित के क्षेत्र में नए सेवा प्रकल्प प्रारंभ करने के सुझाव दिए। उन्होंने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक सहभागिता और सेवा कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प भी व्यक्त किया। बैठक के दौरान हाल ही में आयोजित परिचय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया।

समग्र सेवा मिशन ने कटपुतली नगर में जरूरतमंद महिलाओं को वितरित की खाद्य सामग्री किट

जयपुर. शाबाश इंडिया। समग्र सेवा मिशन द्वारा प्रत्येक माह की भांति इस माह भी कटपुतली नगर में गरीब, असहाय, जरूरतमंद एवं विधवा महिलाओं को खाद्य सामग्री किट वितरित की गई। सेवा अभियान के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराकर सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाई गई। कार्यक्रम में कटपुतली नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओ.पी. टांक, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, महामंत्री गजानंद खींची सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समग्र सेवा मिशन के निदेशक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के निर्देशन में यह सेवा अभियान प्रत्येक माह नियमित रूप से संचालित किया जाता है। मिशन का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वंचित परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाकर उन्हें संबल प्रदान करना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने समग्र सेवा मिशन की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने मिशन के इस नियमित अभियान को जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया।

अर्हम फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त संग्रहित

स्व. संजय बैराठी की स्मृति में आयोजित शिविर में युवाओं ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव सेवा एवं समाज कल्याण के लिए समर्पित अर्हम फाउंडेशन के तत्वावधान में तथा भगवान महावीर ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. संजय बैराठी की जयंती के अवसर पर आदिनाथ कॉलोनी में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर में कुल 56 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा, जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने बताया कि यह संस्था द्वारा आयोजित छठा रक्तदान शिविर है। उन्होंने कहा कि अर्हम फाउंडेशन नियमित रूप से रक्तदान शिविरों के आयोजन के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, परिंडा वितरण तथा अन्य जनहितकारी सेवा गतिविधियों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर समाजसेविका राखी गंगवाल ने फाउंडेशन को एक इलेक्ट्रॉनिक बेड एवं व्हीलचेयर भेंट कर सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। शिविर के दौरान अतिथियों ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रत्येक रक्तदाता को पौधा भी भेंट किया गया। कार्यक्रम की संयोजक रेखा सांघी एवं सीमा जैन रहीं। आयोजन को सफल बनाने में बबीता शाह, मीनू बगड़ा, मधु मालपानी, शालिनी काला, मंजू जैन तथा मृदुला पाटनी का विशेष सहयोग रहा। अंत में अंजू बैराठी ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए सेवा कार्यों में निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

जय जवान कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर के त्रैवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न

अशोक जैन 'नेता' अध्यक्ष एवं अनिल ठोलिया मंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, जय जवान कॉलोनी की कार्यकारिणी के त्रैवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गए। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति के साथ पूर्ण हुई, जिसमें सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। चुनाव अधिकारी रामावतार जैन ने बताया कि 11 कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से चयन किया गया। इसमें अशोक जैन 'नेता' को अध्यक्ष तथा अनिल ठोलिया को मंत्री निर्वाचित किया गया। इसके अलावा भागचंद बाकलीवाल उपाध्यक्ष, संतोष कुमार जैन कोषाध्यक्ष तथा राजेंद्र पांड्या संयुक्त मंत्री चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजीव जैन लाखना, जितेंद्र जैन, अरुण लुहाड़िया, विशाल जैन, पंकज संघी एवं अंकित बक्शी का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ। निर्वाचन के उपरांत नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मंदिर के मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित कर समाज में सुख, समृद्धि, शांति एवं धर्म की निरंतर उन्नति की मंगलकामना की। नई कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन पर राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन, महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गायत्री नगर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध समिति, गायत्री नगर के तत्वावधान में जैन धर्म के 13वें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रातः 6:15 बजे भगवान का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य सौधर्म इंद्र अशोक बड़जात्या एवं मनीष बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सौधर्म इंद्र परिवार द्वारा सामूहिक रूप से भगवान के श्रीचरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह ने बताया कि गायत्री नगर में जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों के मोक्ष कल्याणक महोत्सव प्रत्येक वर्ष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक संस्कारों एवं आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि निर्वाण लड्डू अर्पित करने के पश्चात समाज के श्रेष्ठियों, गणमान्य नागरिकों एवं महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान की महाआरती कर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सौधर्म इंद्र परिवार का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की समस्त मांगलिक एवं धार्मिक विधियां विधानाचार्य पंडित अजीत शास्त्री के सान्निध्य में संपन्न हुईं। समिति ने उनके जन्मदिवस के अवसर पर तिलक, माला, दुपट्टा एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

सात वर्षों बाद पुष्पगिरी तीर्थ पर इतिहास रचेगा गुरु-शिष्य का दिव्य महामिलन

9 जुलाई को चातुर्मास मंगल प्रवेश के साथ गणाचार्य पुष्पदन्तसागरजी एवं आचार्य प्रसन्नसागरजी का होगा भावपूर्ण मिलन

सोनकच्छ (मध्यप्रदेश). शाबाश इंडिया

जैन समाज के लिए 9 जुलाई 2026 का दिन आध्यात्मिक इतिहास के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पुष्पगिरी तीर्थ पर पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता, युगद्रष्टा एवं धर्मप्रभावक गणाचार्य श्री 108 पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज तथा साधना महोदधि, विश्व तपोनिष्ठ अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी गुरुदेव ससंघ का भावपूर्ण गुरु-शिष्य महा-मंगल मिलन होगा। इसी पावन अवसर पर पुष्पगिरी चातुर्मास 2026 का भव्य मंगल प्रवेश भी संपन्न होगा। आयोजकों के अनुसार यह केवल दो महान संतों का मिलन नहीं, बल्कि गुरु-भक्ति, श्रद्धा, समर्पण, वात्सल्य और आध्यात्मिक प्रेम का अनुपम संगम होगा, जिसकी प्रतीक्षा हजारों श्रद्धालु वर्षों से कर रहे थे। यह ऐतिहासिक क्षण उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए जीवनभर की अविस्मरणीय आध्यात्मिक स्मृति बनेगा।

भव्य शोभायात्रा के साथ होगा मंगल प्रवेश

कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी गुरुदेव अपने विशाल संघ के साथ बिजासन माता मंदिर, सोनकच्छ से दोपहर 2:30 बजे जयघोषों के बीच भव्य मंगल शोभायात्रा के साथ पुष्पगिरी तीर्थ के लिए प्रस्थान करेंगे। शोभायात्रा में इंदौर, देवास, जावर, मेहतवाड़ा, आष्टा, सीहोर, सोनकच्छ सहित अनेक नगरों से हजारों श्रद्धालु, महिला मंडल, बहू मंडल, युवक-युवती मंडल एवं समाजजन सहभागिता करेंगे।

गुरु-शिष्य के मिलन का बनेगा ऐतिहासिक क्षण

इस ऐतिहासिक आयोजन का सबसे भावुक क्षण तब आएगा, जब गणाचार्य श्री पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज स्वयं पुष्पगिरी तीर्थ से

न्यायालय मार्ग तक पधारकर अपने प्रिय शिष्य आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी गुरुदेव एवं उनके विशाल संघ का स्वागत करेंगे। सात वर्षों के अंतराल के बाद होने वाला यह मिलन गुरु-शिष्य परंपरा, आत्मीयता और आध्यात्मिक संस्कारों का अद्वितीय उदाहरण बनेगा। दोपहर 3:30 बजे न्यायालय भवन, पुष्पगिरी तीर्थ के समीप हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में दोनों आचार्यों का महा-मंगल मिलन होगा। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावविभोर करने वाला होगा।

दिव्य दर्शन एवं भव्य धार्मिक समारोह

महा-मंगल मिलन के पश्चात श्रद्धालुओं को श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान, श्री 1008 पद्मप्रभु भगवान, श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान तथा लगभग 2000 वर्ष प्राचीन श्री 1008 अरहनाथ भगवान के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। इसके उपरांत श्री पद्मश्री माताजी सभागृह में आयोजित समारोह में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, सोनकच्छ महिला एवं बहू मंडल द्वारा भक्ति नृत्य के साथ मंगलाचरण, पुष्पगिरी ट्रस्ट अध्यक्ष का स्वागत उद्बोधन, गणाचार्य गुरुराज का चरणाभिषेक, पुष्पवृष्टि, संघपति एवं विशिष्ट भक्तों का सम्मान तथा दोनों आचार्यों के मंगल प्रवचन एवं आशीर्वचन होंगे।

आचार्य वर्द्धमान सागर जी सहित चार संतों ने किया केशलोचन, श्रद्धालुओं ने की तपस्या की अनुमोदना

मंढा सुरेरा (सीकर). शाबाश इंडिया

प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की मूल बालब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्द्धमान सागर जी महाराज ससंघ (37 पिच्छी) का अपने दीक्षा गुरु आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज की समाधि स्थली सीकर के दर्शन एवं वंदना हेतु मंगल विहार जारी है। इसी क्रम में आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी (5 जुलाई 2026) को मंढा सुरेरा (जिला सीकर) में प्रवास के दौरान आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज, मुनि श्री हितेंद्र सागर जी महाराज, आर्यिका श्री दर्शना मति माताजी तथा आर्यिका श्री निर्मोह मति माताजी ने विधिपूर्वक केशलोचन किया। संघ की आर्यिका श्री महायशमति माताजी ने केशलोचन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक दिगंबर साधु के लिए लगभग 2 से 4 माह के अंतराल में केशलोचन करना अनिवार्य होता है। यह दिगंबर साधु के मूल गुणों में से एक है और इसके माध्यम से राग, मोह तथा देह के प्रति ममत्व का क्षय होता है। उन्होंने बताया कि केशलोचन के समय केवल राख

का उपयोग किया जाता है तथा बालों को हाथों से उखाड़ा जाता है। जैन साधु अपरिग्रही होते हैं, इसलिए वे किसी बाहरी उपकरण या साधन का उपयोग नहीं करते। जैन धर्म अहिंसा प्रधान धर्म है। यदि बालों का समय-समय पर लोचन न किया जाए तो उनमें सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति की संभावना रहती है। चूंकि दिगंबर साधु अहिंसा के महाव्रती होते हैं, इसलिए वे इस मर्यादा का पालन करते हैं। आर्यिका माताजी ने कहा कि बाल सौंदर्य और आकर्षण का प्रतीक माने जाते हैं। केशलोचन के माध्यम से साधु बाह्य सौंदर्य के प्रति आसक्ति का त्याग कर तप, संयम, धैर्य और वैराग्य का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने बताया कि जिस दिन जैन साधु केशलोचन करते हैं, उस दिन वे उपवास भी रखते हैं। केशलोचन की तपस्या का दर्शन एवं अनुमोदना करने से भी पुण्य की प्राप्ति होती है तथा कर्मों की निर्जरा का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अनेक महिलाओं ने वैराग्यपूर्ण भजनों की प्रस्तुतियों के माध्यम से केशलोचन की इस महान तपस्या की भावपूर्ण अनुमोदना की। – **डॉ. राजेश पंचोलिया, इंदौर**